भाकृअनुप - केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान शिमला ने मनाया 70वां स्थापना दिवस

भाकृअनुप - केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला के 70वां स्थापना दिवस समारोह का आयोजन दिनांक 5 अक्तूबर 2018 को संस्थान में किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि श्री राधामोहन सिंह जी,कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री भारत सरकार थे । अपने सम्बोधन में माननीय मंत्री महोदय नें स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनायें व शुभेच्छा प्रगट की तथा संस्थान के द्वारा किए गए कार्यों की प्रसंशा की। उन्होने बताया क्योंकि हिंदुस्तान की आत्मा गावों में बसती है इसलिए गाँव के विकास से ही देश की उन्नति संभव है। चावल व गेहूं के बाद आलू ही स्टेपल फूड के रूप में तीसरी मुख्य फसल है जिसका किसानों की आमदनी 2022 तक दुगुनी करने में अहम भूमिका हो सकती है। इसी क्रम में उन्होने सरकार द्वारा किए जा रहे विभिन्न परियोजनाओं एवं प्रयासो जैसे किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना, सॉइल हैल्थ कार्ड, एवं न्यूनतम समर्थन मूल्य में उत्पादन लागत से डेढ़ से दो गुना वृद्धि इत्यादि की जानकारी दी। उन्होने बताया कि आज सरकार की कृषि योजनाओं का फोकस केवल उत्पादन केन्द्रित न होकर आय केन्द्रित है। अपने उधबोधन में उन्होने मानव संसाधन पर बल दिया तथा साथ ही साथ मेरा गाँव मेरा गौरव जैसी महत्वकांक्षी योजना जिसके द्वारा वैज्ञानिकों द्वारा विकसित तकनीक किसानो के खेत तक पहुँच रही है। इसी का परिणाम है कि देश खाद्यान फसल, दलहन, बागवानी, दुग्ध उत्पादन, पशुधन, शहद उत्पादन, मत्स्य उत्पादन इत्यादि में आशातीत वृद्धि दर्ज हुई है।

इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री डॉ॰ रामलाल मारकंडा व बागवानी मंत्री श्री महेंद्र सिंह ठाकुर तथा प्रोफेसर अशोक कुमार सरियाल, कुलपति चौधरी श्रवण कुमार कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। निदेशक, केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला डॉ स्वरूप कुमार चक्रबर्ती ने मुख्य अतिथि,विशिष्ट अतिथि एवं अन्य अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्थान के द्वारा किए जा रहे अनुसंधान कार्यों एवं अब तक की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

समारोह के दौरान मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा संस्थान के उत्कृष्ट कर्मचारी सम्मान से नवाजा गया। इस अवसर पर प्रगतिशील व बीज उत्पादक किसानों का भी सम्मान किया गया। एसके अलावा संस्थान के नए प्रतीक चिन्ह (लोगो) व संस्थान के नवीन प्रकाशनों जैसे आलू की प्रजातियाँ, राजभाषा पत्रिका, आलू मंजरी, प्रसार पुस्तिकाओं का विमोचन व आलू की नई विकसित तीन प्रजातियों को राष्ट्र को समर्पित किया। इस दौरान मुख्य अतिथि व अन्य अतिथियों ने परिषद के विभिन्न संस्थानों द्वारा लगाई गयी कृषि प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।